नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती पर माननीय लोक सभा अध्यक्ष का वीडियो संदेश

प्यारे देशवासियों,

आज सम्पूर्ण देश हमारे स्वतंत्रता संग्राम के महानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती पर उन्हें अपने श्रद्धासुमन अर्पित कर रहा है। इस पावन अवसर पर देशप्रेम के इस महान व्यक्तित्व को मेरी विनम्र श्रद्धांजलि।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस देश के वीर सपूत थे जिन्होंने स्वतंत्र भारत के सपने को नई दिशा दी थी। जिनकी ऊर्जा, जिनके साहस और जिनके विज़न ने पूरे देश को, देश के प्रत्येक हिस्से को, प्रत्येक वर्ग को स्वतंत्रता संग्राम के लिए आंदोलित किया था। नेताजी भारत की ताकत और प्रेरणा के सच्चे और शाश्वत प्रतीक हैं।

उनकी पुकार में इतनी ताकत थी कि सम्पूर्ण देश उनके साथ स्वाधीनता के लिए मर मिटने को तैयार हो गया था। उन्होंने ही देश को 'जय हिन्द' का वह अमर नारा दिया जो आज भी हमें राष्ट्र के लिए संकल्पित, समर्पित करता है।

यह हम सबके लिए अत्यंत गौरव का विषय है कि देश ने नेताजी के अदम्य साहस और राष्ट्र की निःस्वार्थ सेवा को सम्मान देने और याद करने के लिए उनकी जयंती, यानि, 23 जनवरी को 'पराक्रम दिवस' के रूप में मनाने का फैसला किया।

साथियों,

नेताजी देश की स्वतंत्रता के लिए लड़ने वाले एक वीर सैनिक ही नहीं थे बल्कि, देश के निर्माण के लिए, विकास के लिए उनका एक पूरा दर्शन था। वे गरीबी, निरक्षरता, बीमारी को देश की सबसे बड़ी समस्याओं में गिना करते थे। उनका मानना था कि समाज को इन समस्याओं के समाधान के लिए एकजुट होना होगा, हमें इस दिशा में सामूहिक प्रयास करने होंगे।

नेताजी आत्मनिर्भर भारत, विकसित भारत के लिए सबसे बड़ी प्रेरणा हैं। आज हमारा दायित्व है कि हम उनके बताए हुए मार्ग पर चलें ताकि हम हम एक नए भारत का निर्माण कर सकें।

आधुनिक भारत के इस महामानव को मेरी ओर से पुनः श्रद्धांजलि।

जय हिन्द।